(a) Yes.

(b) A statement is laid on the Table of the House:

STATEMENT

The following new railway stations in Orissa will be opened during the remaining period of the Third Five Year Plan:

Name of station	Section of New Construction
Hirakud	Sambalpur-Titilagarh
Attabira	
Bargarh	
Barapali	
Dungripali	
Khaliapali	
Loisingha	
Nawagaon	Ranchi-Bondamunda
Bispur	
Bangurkela	
Darliput	Kottavalasa-Bailadilla
Padwa	
Bijaguda	
Mackkind Road	
Paliha	
Tellaputtu	
Koraput	
Murubara	
Jarti	
Maliguda	
Jeypore	
Hadia	
Kusumi	
Kotpad Road	

Post Office Deposits under Small Savings Drive

2338. **Shri Ramachandra Ulaka:**
Shri Dhuleshwar Meena:

Will the Minister of **Posts and Telegraphs** be pleased to state the total amount of deposits in various post offices of Orissa under the scheme of Small Saving Drive till the 31st January, 1964?

The Deputy Minister in the Department of Posts and Telegraphs (Shri Bhagavati): The total net amount of deposits in various investments made in all the Post Offices in Orissa from 1st April, 1963 to 31st January, 1964 is Rs. 2,00,88,774 and the total balance of deposits in all the Post Offices in Orissa upto the 31st January, 1964 is Rs. 18,73,86,491.

Supply of Tractors to Farmers

2339. **Shri P. C. Borooah:**
Shri Onkar Lal Berwa:

Wil the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether there is a scheme for providing small tractors to farmers at cheap subsidised rates;

(b) if so, the extent to which the same would be subsidised; and

(c) the funds earmarked by the Central Government for this purpose and how much is to be contributed by the State?

The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh):

(a) No such scheme has been drawn up.

(b) and (c). Do not arise.

दिल्ली और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन

२३४०. **श्रीमती जोहराबहिन चावड़ा**
श्रीमती रेणुका बड़कटकी :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली और नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर काम करने वाले भारवहकों को रेलवे अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सा सुविधायें नहीं दी जा रही हैं ;

(ख) क्या देश के अन्य भागों में उन्हें ये सुविधायें प्राप्त हैं ;

(ग) यदि हां, तो दिल्ली में ऐसा क्यों नहीं है ; और

(घ) क्या सरकार उन्हें ये सुविधायें देने के प्रश्न पर विचार कर रही है ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) जी नहीं ।

(ख) जी हां । यात्रियों का सामान चढ़ाने-उतारने के लिये जिन लाइसेंसदार भारिकों को सीधे रेल-प्रशासन लाइसेंस देते हैं वे दिल्ली और नयी दिल्ली स्थित रेलवे अस्पतालों सहित अन्य सभी रेलवे अस्पतालों के बाहरी रोगी विभाग (out-patient department) में मुफ्त इलाज करा सकते हैं । यह सुविधा सिर्फ उन्हीं भारिकों को दी जाती है उनके परिवार के सदस्यों को नहीं ।

(ग) और (घ). सवाल नहीं उठता

पलाइंग क्लब विमान की दुर्घटना

२३४१. **श्री राम हरख यादव :**
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ७ अप्रैल, १९६४ को पटना में बिहार फ्लाइंग क्लब का २ इंजन वाला प्रशिक्षण विमान गांधी घाट के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया;

(ख) यदि हां, तो उसमें कितने आदमी मारे गये; और

(ग) दुर्घटना का क्या कारण था ?

परिवहन मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ओहिउद्दीन) : (क) से (ग). ७ अप्रैल, १९६४ को पटना के पास गंगा नदी में बिहार फ्लाइंग क्लब द्वारा चलाया जाने वाला एक इंजन वाला डी हैवीलैण्ड चिपमंक हवाई जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया । हवाई जहाज में सिर्फ स्टूडेण्ट पायलट था जो मर गया । हादसे की जांच की जा रही है ।

भोपाल रेलवे स्टेशन

२३४२. **श्रीमती जोहराबहिन चावड़ा :**
श्री धुलेश्वर मीना :
श्री नो० रं० लास्कर :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भोपाल में नये रेलवे स्टेशन भवन को बने कितना अरसा हुआ और उसमें कुल कितना रुपया लगा;

(ख) क्या यह सच है कि दो वर्षों में ही उस भवन में बहुत-सी निर्माण संबंधी भारी खराबियां पैदा हो गयी हैं, मसलन दीवारों का फटना, प्लास्टर उखड़ना, छत का फटना, लेवेटरी का पानी शाकाहारी भोजनालय में गिरना; और

(ग) यदि हां, तो इसके निर्माण के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गयी और मरम्मत में कितना रुपया व्यय होने का अनुमान है ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) भोपाल स्टेशन की इमारत फिर से नहीं बनायी गयी है । पुरानी इमारत में विभिन्न चरणों में केवल कुछ जोड़-बदल किया गया है, जैसा कि नीचे दिये गये विवरण में बताया गया है । जोड़-बदल का अन्तिम चरण अगस्त, १९६२ में समाप्त हुआ इस काम की कुल अनुमानित लागत ११.९७ लाख रुपये है ।

(ख) इस काम को पूरा हो जाने के बाद इमारत में निर्माण-सम्बन्धी कोई खराबी नहीं पायी गयी । लेकिन सिकुड़न की वजह से कहीं-कहीं चिटकनें दिखायी पड़ीं ।

(ग) ये चिटकनें निर्माण-सम्बन्धी खराबियों के कारण नहीं पड़ी थीं । इसलिए इस काम के किसी कार्यभारी कर्मचारी को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया । मरम्मत के काम पर लगभग ७०० रुपये खर्च हुए ।